'RESEARCH JOURNEY' International Multidisciplinary E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 111 (C) : साहित्य, संस्कृति, समाज तथा मीडिया रुपांतरण
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
February-2019

समाज में मीड़िया की भूमिका

डॉ. जयस्वाल शैलजा
अध्यक्षा हिन्दी विभाग
म. गांधी विद्या मंदिर संचलित कला,
विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय,मनमाड, नाशिक

आज मीडिया समाज को सशक्त बना रहा है। मीडिया द्वारा कही गई बात को आदमी सत्य और अटल मान लेता है। मीडिया अर्थात वह माध्यम जो प्रत्येक जनसमूह तक सूचना भेजने का कार्य करता है। मीडिया राष्ट्र को दिशा देने के साथ ही अंत:करण की भी रक्षा करता है। यह देश की सुरक्षा और सामाजिक सरोकारो के लिए भी जिम्मेदार है। मीडिया को समाज और देश का चौथ सुरक्षा और सामाजिक सरोकारों के लिए भी जिम्मेदार है। मीडिया को समाज और देश का चौथा स्तम्भ कहा गया है। एक गायन ने मीडिया के सम्बन्ध में खूब कहा है–

" खींचो ने कमानों को,
न तलवार निकालो
जब तोप मुकाबिल हो तो
अखबार निकालो"

स्वतंत्रता आन्दोलन में पूरी प्रतिबध्दता, समर्पण और निष्ठा के साथ भाग लेने वाला 'प्रेस' आज मिडिया बन चुका है। आज हम मीडिया की भूमिका को खोजने निकलते है किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने अच्छी–खासी मशक्कत करनी पड़ती है। न तो मीडिया की प्रशंसा करते बनता है और न ही बेवजह उसकी आलोचना करते बनती है। लेकिन वर्तमान समय में सबसे मीडिया पर सत्ताधारियों का हस्तक्षेप हुआ है, उसकी स्वतन्त्रता पर, उसकी निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लग गए है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या प्रिंट मीडिया दोनों संदेह के घेरे में है दोनों क्षेत्र व्यवसायिक हो रहे है। स्वतन्त्रता के दौरान पत्र–पत्रिकाओं ने जो भूमिका निभायी है उससे हम भलि–भाँति परिचित है, देश के क्रांतिकारियों ने, आन्दोलन कारियों ने इसे संग्राम का माध्यम बनाया था। उस समय के प्रमुख पत्रकारों में गणेश शंकर विद्यार्थी, बाबूराव विष्णू पराडकर, महात्मा गांधी, तिलक, हजारी प्रसाद द्विवेदी, भरतेन्दु हरिश्चन्द्र आदि ने आजादी के स्वरों को जन–जन तक पहुँचा कर उन स्वरों को बुलन्द किया था। लेकिन आज मीडिया व्यवसायियों, राजीतिज्ञों, सत्ताधारियों आदि का शिकार हो रहा है। लगता है आज मीडिया में कार्यरत रोटी नहीं खा रहे, बल्कि रोटी उन्हें खा रही है। राजधर्म की भूमिका सिमट रही है उन्हें जब चाहें जहाँ चाहे मोड़ दिया जाता है।

हरिद्वार में पाँचवा आयोजन मीडिया चौपाल २०१६ में आयोजित हुआ था। देश भर से आए लगभग ३०० मीडिया कर्मियों ने इस में भाग लिया था। मीडिया चौपाल का उद्देश्य मानव केन्द्रीत विकास था, संचारकों की भूमिका, विकास के विविध आयाम, मीडिया में विश्वसनीयता आदि ज्वलंत विषयों पर व्याख्यान हुए। मीडिया समाज में समाज औद देश के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करतात है। आज मीडिया को निषपक्ष होकर कार्य करने की आवश्यकता है, साथ ही समाज को जागरूक एवं सशक्त बनाना भी आवश्यक है।